मध्यप्रदेश पुलिस की साइबर अपराधों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई

डिजिटल फ्रॉड के मामलों में त्वरित कार्रवाई कर 18 आरोपियों को किया गिरफ्तार

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा सायबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से प्रदेशभर में निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में विगत चार दिनों में पुलिस ने विभिन्न जिलों में म्यूल अकाउंट, फर्जी सिम, क्रिप्टो ठगी एवं डिजिटल फ्रॉड के मामलों में त्वरित कार्रवाई कर18 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन कार्यवाहियों में न केवल अंतर्राज्यीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संचालित नेटवर्क का खुलासा हुआ है,साथ ही ठगी की गई राशि की वापसी भी सुनिश्चित की गई है।

अनूपपुर- म्यूल अकाउंट नेटवर्क का खुलासा : जिले में म्यूल अकाउंट के माध्यम से पुलिस ने ऑनलाइन ठगी करने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 07 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि गिरोह भोले-भाले लोगों के बैंक खाते खुलवाकर उनके एटीएम कार्ड, सिम कार्ड एवं पासबुक अपने कब्जे में लेकर उन्हें मुंबई के माध्यम से दुबई स्थित सरगना तक पहुंचाता था। इन खातों के जरिए प्रतिदिन लाखों रुपये के अवैध ट्रांजेक्शन किए जा रहे थे। कार्रवाई के दौरान 165 एटीएम कार्ड, 23 सिम कार्ड, 20 पासबुक, 05 चेकबुक, 18 मोबाइल फोन, 01 लैपटॉप एवं 01 राउटर जप्तकिए गए।

नर्मदापुरम -साइबर ठगी के प्रकरण में त्वरित कार्यवाही करते हुए 7 आरोपियों को किया गिरफ्तार : थाना सिवनी मालवा में मोबाइल गुम होने के बाद बैंक खातों से 2.78 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया। जांच में पाया गया कि आरोपियों ने मोबाइल व सिम का दुरुपयोग कर यूपीआई के माध्यम से विभिन्न कियोस्क सेंटरों से चरणबद्ध तरीके से राशि आहरित की। तकनीकी एवं भौतिक साक्ष्यों के आधार पर 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

न्यूज़ ब्रीफ

मंत्री टेटवाल ने सारंगपुर में विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की

भोपाल। मंत्री श्री टेटवाल ने सारंगपुर में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में विकास कार्यों, आधारभूत संरचना, जल संरक्षण और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति का समग्र मूल्यांकन किया। बैठक में विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली की विभागवार समीक्षा करते हुए प्रशासनिक दक्षता, समयबद्धता और गुणवत्ता को केंद्र में रखने के निर्देश दिए गए। मंत्री श्री टेटवाल ने स्पष्ट कहा कि विकास कार्य केवल स्वीकृतियों तक सीमित न रहें, बल्कि धरातल पर परिणाम दिखाई दें। सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय–सीमा में पूर्ण हों, पूर्ण परियोजनाओं का त्वरित हस्तांतरण हो और उनका प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने दोहराया कि लापरवाही या अनावश्यक विलंब की स्थिति में जवाबदेही तय की जाएगी। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत संचालित जल संरचनात्मक कार्यों की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने वर्षा जल संचयन, नाला उपचार और भू–जल संवर्धन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण को जनांदोलन का स्वरूप देना आवश्यक है, जिससे दीर्घकालीन जल सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। नदियों के पुनर्जीवन और श्रमदान आधारित पहलों में व्यापक जनसहभागिता पर बल दिया गया। पेयजल, शिक्षा एवं अन्य आधारभूत परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री टेटवाल ने लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अधूरे या विलंबित कार्य जनता के विश्वास को प्रभावित करते हैं, इसलिए गुणवत्ता और समयबद्धता दोनों पर समान रूप से ध्यान दिया जाए।

प्रसव पीड़ा से पीड़ित महिला को समय पर दिलाई मदद

भोपाल। गुना जिले के थाना म्याना क्षेत्र मेंडायल- 112 जवानों की तत्परता और संवेदनशीलतासे प्रसव पीड़ा से पीड़ित एक महिला को समय पर सहायता प्रदान की गई। देर रात आपात स्थिति में जब कोई अन्य साधन उपलब्ध नहीं था, तब डायल–112 टीम ने मानवीय संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का परिचय देते हुए गर्भवती महिला की सुरक्षा सुनिश्चित की। राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल–112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना म्याना क्षेत्र अंतर्गतग्राम लहार कोटामें एक महिला को असहनीय प्रसव पीड़ा हो रही है और तत्काल सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही म्याना थाना क्षेत्र में तैनात डायल–112 एफआरव्ही वाहन को तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुँचकरआरक्षक श्री अमनप्रीतचीमा एवं पायलट श्री विवेक रघुवंशीने पाया कि महिला प्रसव पीड़ा में थी तथा चिकित्सा वाहन व्यस्त होने के कारण तत्काल कोई अन्य साधन उपलब्ध नहीं था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डायल–112 जवानमहिला को परिजनों के साथ एफआरव्ही वाहन में बैठाकर अस्पताल के लिए रवाना हुए। रास्ते मेंडुंगासरा चौराहेके पास महिला को अत्यधिक पीड़ा होने पर परिजनों की सहायता से सुरक्षित प्रसव कराया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतिभाशाली दिव्यांग बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप दिए 5 लाख रुपए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जन्म दिवस पर किया एमपीटी कैफे कल्चर हाउस का शुभारंभ

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने जन्म दिवस पर दिव्यांग बच्चों के साथ सुखद संवाद करते हुए रवीन्द्र भवन परिसर एमपीटी कैफे कल्चर हाउस का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बच्चों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के जन्म दिवस का केक काटा, हैप्पी बर्थडे टू यू का गीत गाकर बधाई दी और उन्हें एक पेंटिंग भेंट की। इस अवसर पर बालिका सिहायना तिवारी ने जन्म दिवस पर कविता सुनाकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन किया। कु. सिहायना ने प्रभु श्रीराम के संघर्ष पर भी कविता पाठ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिव्यांग बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप 5 लाख रूपए और कविता पाठ करने वाली बालिका कु. सिहायना तिवारी को पृथक से 21 हजार रूपए प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। यह बच्चे बाल निकेतन और आरूषि संस्थान से जुड़े हैं। इस अवसर पर पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बच्चों से संवाद में बताया कि रवीन्द्र भवन प्रदेश की सांस्कृतिक गतिविधियों का केन्द्र रहा है। वर्षों से इस स्थान से कलाकारों, साहित्यकारों और संस्कृति प्रेमियों का जुड़ाव रहा है। यहां सांस्कृतिक और ग्राम्य जीवन की थीम पर विकसित कैफे कल्चर हाउस प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि और पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह स्थान कला, संस्कृति और स्थानीय परंपराओं को प्रोत्साहित करने का एक सशक्त मंच बनेगा। यह मध्यप्रदेश पर्यटन का एक अनूठा प्रोजेक्ट है। इसमें प्रकृति, संस्कृति और विभिन्न प्रकार के विशेष भोजन का संयोजन है। इस प्रकार की पहल न केवल पर्यटन को बढ़ावा देती हैं, बल्कि स्थानीय व्यंजनों और संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। रवीन्द्र भवन परिसर स्थित एमपीटी कल्चर कैफे हाउस में लगभग 85 लोगों की बैठने की क्षमता है। यह कैफे आगंतुकों को शांत और सुकून भरा वातावरण प्रदान करता है। यहां का मेन्यू प्रदेश की समृद्ध क्षेत्रीय व्यंजनों की झलक प्रस्तुत करता है, जिसमें भुट्टे का कीस, श्रीअन्न को प्रोत्साहन देते हुए रागी बालूशा और कोदो अरंचिनी जैसे पारंपरिक एवं नवाचारी व्यंजन शामिल हैं। इसे एक लैंडस्केप-आधारित कैफ़े के रूप में डिज़ाइन किया गया है। हरी-भरी हरियाली और प्राकृतिक बनावटों को आधुनिक वास्तुशिल्प ढाँचे में समाहित करते हुए, यह कैफ़े रवीन्द्र भवन में आने-जाने वालों के लिए अनोखा अनुभव प्रदान करेगा। कैफे में हाथ से तराशी गई लकड़ी की बैठकों से लेकर विशेष रूप से तैयार टेराकोटा, पत्थर, लकड़ी, बांस और जूट के कलात्मक कार्य प्रदेश के सृजनकर्ताओं की सृजनशीलता को दर्शाते हैं। कैफे का इंटीरियर प्रदेश की हस्तशिल्प और कलाकृतियों से सुसज्जित है, जो भोजन के अनुभव को और भी यादगार बनाएगा। यहाँ का वातावरण क्रिएटिव हब के रूप में विकसित किया गया है। उद्घाटन अवसर पर पर्यटन सचिव एवं मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक डॉ. इलैयाराजा टी, अपर प्रबंध संचालक डॉ. अभय अरविंद बेडेकर, वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने जन्म दिवस पर दिव्यांग बच्चों को दुलारा

■ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने जन्म दिवस पर दिव्यांग बच्चों को मुख्यमंत्री निवास आमंत्रित कर स्नेहपूर्वक दूलार किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बच्चों को उपहार भी दिये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के जन्म दिवस पर विभिन्न संस्थाओं से दिव्यांग बच्चों को आमंत्रित किया गया था। आशा निकेतन बधिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोपाल, आरुषि संस्था भोपाल, शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भोपाल एवं उमंग गौरवदीप वेलफेयर सोसाइटी, भोपाल के बच्चे मुख्यमंत्री निवास पहुंचे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गौ सेवा कर की अपने जन्मदिन की शुरूआत

■ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जन्म दिवस मुख्यमंत्री निवास सहित सार्वजनिक स्थलों पर भी उत्साह, उमंग और उल्लास से मनाया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित मंदिर में प्रभु दर्शन के बाद गौशाला में गौमाता को दुलार कर उन्हें गौ–ग्रास देकर दिन की शुरूआत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के जन्म दिवस पर मंत्रीगण सहित जनप्रतिनिधियों, धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक, औद्योगिक, राजनैतिक संगठनों सहित वरिष्ठ नागरिकों ने और आमजन ने बड़ी संख्या में भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्यमंत्री निवास में मनाये गये जन्म दिवस पर सांगीतिक प्रस्तुति हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, जनजातीय कार्य मंत्री श्री विजय शाह, पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्य मंत्री (स्वंतत्र प्रभार) श्री लखन पटेल, नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, प्रदेशाध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने जन्म दिवस की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जन्म दिवस के अवसर पर पूर्व मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, पूर्व मंत्री श्री उमाशंकर गुप्ता, पूर्व मंत्री श्री रामखेलावन पटेल, पूर्व मंत्री श्री रामनिवास रावत, विधायक श्री संजय पाठक, विधायक श्री मधु वर्मा, विधायक श्री के.पी. त्रिपाठी, श्री आशीष अग्रवाल, श्री रघुनंदन शर्मा, श्री रविंद्र यति, सुश्री नेहा बग्गा सहित वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों ने भी मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से ब्रह्माकुमारी संस्था की बहनों, संत–वृंद, लोकतंत्र सेनानी संघ, कर्मचारी संगठनों, वरिष्ठ पत्रकारों, भोपाल जैन समाज, भोपाल चैम्बर ऑफ कॉमर्स और ओरियंटल ग्रुप ऑफ कॉलेजेस के प्रतिनिधियों, चिकित्सा प्रकोष्ठ, विधि प्रकोष्ठ, सेंट्रल प्रेस क्लब सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए नागरिकों, युवा मोर्चा, समाजसेवी, किसान संगठनों आदि ने भेंट कर उनका स्वागत कर जन्म दिवस की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के जन्म दिवस पर पाती लेकर बहनें पहुंची मुख्यमंत्री निवास

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उनके जन्म दिवस 25 मार्च को प्रातः बहनों की पाती-भैया के नाम लेकर मुख्यमंत्री निवास पहुंची बहनों का स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभिव्यक्ति बहनों की पाती-भैया के नाम एक आत्मीय पहल है। बहनों का आशीर्वाद हमें निरंतर प्राप्त होता रहा है। प्रदेश की बहनों ने अपने मन के भाव, अनुभव और सुझाव पाती के माध्यम से व्यक्त किए हैं। बहनों ने अपने भैया के प्रति विश्वास, स्नेह और सम्मान को शब्दों में पिरोया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं के स्वाभिमान और सशक्तिकरण के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री निवास में जल्द ही बहनों से संवाद के लिए विशेष पंचायत आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी देश में गरीब, युवा, नारी और किसान को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। प्रदेश में बहनों के कल्याण का कार्य मिशन मोड में चल रहा है। राज्य सरकार ने नारी सशक्तिकरण के लिए एक लाख करोड़ रूपए से अधिक के बजट का प्रावधान किया है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। अब हमारी बहनें कारखानों और उद्योगों में भी नेतृत्व कर रही हें। राज्य सरकार महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास पहुंची बहनों से महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी को अधिक से अधिक प्रसारित करने में सहयोग का आहवान किया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए आवश्यक है कि हर पात्र बहन आत्मनिर्भरता और उनके कल्याण के लिए चलाई जा रही शासकीय योजनाओं का लाभ लें।

अभियान अंतर्गत गतिविधियों की विभागवार प्रगति की समीक्षा

जल गंगा संवर्धन अभियान के लक्ष्यों का समयबद्ध क्रियान्वयन करें सुनिश्चित : अपर मुख्य सचिव रस्तोगी

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी ने कहा है कि जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 के लक्ष्यों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को जल गंगा संवर्धन अभियान के लिये शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करते हुए उद्देश्यों को प्रभावी रूप से पूरा करने के निर्देश दिए। अपर मुख्य सचिव श्रीमती रस्तोगी विकास भवन, भोपाल में आयोजित समीक्षा बैठक में ÷जल गंगा संवर्धन अभियान-2026÷ के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की विभागवार प्रगति की समीक्षा कर रही थीं। बैठक में आयुक्त म.प्र. राज्य रोजगार गारंटी परिषद श्री अवि प्रसाद ने सहभागी विभागों के उपस्थित अधिकारियों को बताया कि अभियान की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं रिपोर्टिंग के लिए एक सिंगल डैशबोर्ड विकसित किया जा रहा है। इससे विभागों की प्रगति की नियमित समीक्षा के साथ विभागवार रैंकिंग भी की जाएगी।सहभागी विभागों द्वारा अभियान अंतर्गत संचालित गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की गई। एमआईएस पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर विभागों ने अपने कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। बैठक में जल संरक्षण, जल संवर्धन एवं जल प्रबंधन से संबंधित गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने और जनभागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए सिंगल डैशबोर्ड किया जा रहा विकसित

अधिकारियों ने बताया कि अभियान के तहत निर्धारित कार्यों की सतत निगरानी की जा रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान–2026 का प्रदेशभर में क्रियान्वयन 19 मार्च 2026 से प्रारंभ हो चुका है। अभियान का उद्देश्य जल संरक्षण एवं प्रबंधन से जुड़े कार्यों को जनसहभागिता के साथ प्रभावी रूप से लागू करना है। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन, वन, जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, उद्यानिकी, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, पर्यावरण, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, राजस्व, संस्कृति, जन अभियान परिषद एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।